

धारणी मंत्र

ॐ नमः श्रीमदाचार्य वल्लभाकिं वल्लभाय ॥ वासिष्ठाय महासुखाय महाविद्याय ॥ अर्चयेन्मया मुनिं
वशिष्ठं त्रिमूर्तेश्वरं त्रिमूर्तिविदं त्रिमूर्तिमयं ॥ अतस्तत्रैव नाथयिष्ये यासां भगवन्तु नमः ॥
मातुलं त्रिमूर्तिमयं त्रिमूर्तिमयं त्रिमूर्तिमयं ॥ ॐ नमः त्रिमूर्तिमहाविद्याय ॥ अथ यथाविधि ॥
ॐ नमः त्रिमूर्तिमहाविद्याय ॥ अथ यथाविधि ॥ ॐ नमः त्रिमूर्तिमहाविद्याय ॥

धर्मरत्न वज्राचार्य सुरत श्री महाविहार

II-316

दुष्टमृदुलिकहिनाहममिलः ॥ इति वागस्य ॥ न वागस्य मखवागस्य जिह्वा वागस्य उदनशूलस्य अन
कस्य विरुचिकस्य नादमानवसमनूयणमि ॥ सखावासत्यनिकविवाः ॥ यद्यप्यदिमनुयदादि ॥ २
कथं हि सुयचित्ता नानदधेन नाकर्मवियाक ॥ इदमवाचक रुगवा नाममना नायुष्मा नाधशा नगव
भावादिनमननयेनिमि ॥ ॥ अथैव उरुलिनाम कर्वाणिममाके ॥ ॥ ॥ ॥

सुअयकमिमाववधल कृष्णसयकुमयहा ॥ इति वागस्य ॥ दिवलादमिपूवदहनधननालायनवनलूय
वय कालि हनिलक ० इमदादलादवविषनिर्दिने भाकस्य वागविखनाम नइयविनामधनूयाहनइव
२मूव २मूहव २दलादवमहायदानाकसन २मिनि २मूव २व २वाधय २वाधयामि नवमिबर्क ० नय
दिनीलक ० ॥ इति माससि ॥ मिहसूखदस २मूव २मदाकाकाहासनिधादिन ॥ इति हिनामाहासिदि

[illegible]

स्वाहा ॥ यष्टिं कलि स्वाहा ॥ वनवर्धनि स्वाहा ॥ ईं ऊ यश्वनिकमने विमल स्वाहा ॥ ईं वियूल स्वाहा ॥ ईं सर्वे नथा गन मूल
स्वाहा ॥ ईं रुः स्वाहा ॥ ईं रुवः स्वाहा ॥ ईं रुः स्वाहा ॥ ईं रु रुवः स्वाहा ॥ ईं रुः स्वाहा ॥ ईं रु निश्वजवनि सर्वे नथा गन मूल
यस्य पुत्र विमल मायुसर्जना विमल ॥ वनश्वनि ऊ यश्वनिकमने विमल स्वाहा ॥ ईं ममृगवत्रवलश्ववत्रविशुद्ध ईं ईं
ईं ईं स्वाहा ॥ ईं ऊ मृगविमल निगहसंन कनी आकवनि ईं ईं ईं ईं स्वाहा ॥ ईं विमल वीयूल ऊ यश्वनिकमने

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

वमुडि या शुयि शा विनि वर्यनी ज्ञा नादिनि रुत्रादिनि नलमल मिलि २ म न २ मिलि म २ दू म २ इदि म डि वि
 शुड वय न रु नू २ अथ मुखिकालि महाकालि यकि धू क नी रु नू २ व न व काल २ दू ले २ व दू ले २ वं न दे वा २ ल
 ना या य लि व ना या यि शु २ हि लि हि लि हि लि हि लि हि लि २ ॥ मिलि मिलि मिलि मिलि मिलि २ ॥ व ल व ल व ल व ल व ल
 २ ॥ मू रु मू रु मू रु मू रु मू रु २ ॥ ल ल ल ल ल २ ॥ रु रु रु रु रु २ ॥ वा वा वा वा वा २ ॥ या या या या या २ ॥ ज ल ज ल ज ल

वि मि वि मि २ ॥ दि क दि क २ ॥ न क व ग द व रु २ हा न २ ध न २ रु ल २ व ल २ व ल २ सा दा ॥ न म ४ स वे व द्वा नां स्वा
 हा ॥ मू रु ना नां स्वा हा ॥ म नी य सा वा धि स त्व स्य महा स त्व स्य स्वा हा ॥ सर्व वा धि स त्व ना नां स्वा हा ॥ अ ना गा मि नां स्वा हा ॥
 स कृ दां ग मि नां स्वा हा ॥ ६ ॥ ना य ना नां स्वा हा ॥ स म र्ग ना नां स्वा हा ॥ स म यु गि य ना नां स्वा हा ॥ व म्म ६ स्वा हा ॥ ७ ॥
 य स्वा हा ॥ यु ज्ञा य ग य स्वा हा ॥ ८ ॥ ना म स्वा हा ॥ वा य व स्वा हा ॥ अ म य स्वा हा ॥ व नू षा य स्वा हा ॥ ज मा य स्वा हा ॥ ९ ॥

शी

यस्याहमवैशमध्यककाधियनयस्याहमधृगवाहयनध्वोधियनयस्याहमविनूधकायकृष्णधियनयस्याहमविनूयाकायनागाधियनयस्याहमद्वानांस्याहमनागांस्याहमजसूनांस्याहमगजुनांस्याहमगधवा
नांस्याहमकिंननांस्याहममहात्रगांस्याहमजकांस्याहमनाकसानांस्याहमधुनांस्याहमयिगावाधोसा
हमरुगांस्याहमकृष्णनांस्याहमयूटनांस्याहमकटयूटनांस्याहमसुनांस्याहमअयसालानांस्याहम

१३

हमउगादानांस्याहमकृसानांस्याहमडामत्रकानांस्याहमवदसूर्यायस्याहमवृडानांस्याहमनकृडानांस्याहम
गदानांस्याहमअनिवांस्याहमसिद्धवनांस्याहमसिद्धिविद्यानांस्याहमलोनीयस्याहमगधमीयस्याहमजोरु
ल्लेयस्याहमजमृनायस्याहमजकृनीयस्याहमसुकृनीयस्याहमवायमियस्याहमडोमिदीयस्याहमडोमिदियस्याहम
धमभवनीयस्याहमअर्थभवविद्यस्याहमवदमीयस्याहममोर्गनीयस्याहमनागद्वदयस्याहमगजुद्वदयस्याहम

[illegible][illegible]

[illegible]

॥ अथ श्रीमद्भगवत्पञ्चविंशोऽध्यायः ॥
 ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
 ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥

